विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 10-4-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

वर्णों के उच्चारण का स्थान:-

वर्णों का उच्चारण मुख द्वारा होता है उस समय हमारी रसना (जीभ) मुख के जिस भाग का स्पर्श करती हैं उन्हीं स्थानों को उच्चारण स्थान कहते हैं।

वर्णों के उच्चारण स्थान:-

वर्णों के उच्चारण स्थान 7 होते हैं।

1. कण्ठ 2. तालु 3. मूर्धा 4. दन्त5. ओष्ठ 6. नासिक 7. जिह्वा-मूल

वर्णों का उच्चारण निम्न प्रकार होता है।

1. कण्ठय् वर्ण:- सूत्र (अकुहविसर्जनीयानां कण्ठ☺

कंठ से उच्चारित होने वाले वर्ण को कण्ठय् वर्ण कहते हैं।

अ आ क् वर्ग ह् और : विसर्ग

2. तालु:- सूत्र (ईचुयशानां तालु)

जो वर्ण तालु से उच्चारित होते हैं। वे तालव्य वर्ण कहलाते हैं।

इ ई च् वर्ग य् और श्

3. मूर्धा:- सूत्र (ऋटुरषाणां मूर्धा)

जिन वर्णों का उच्चारण स्थान मूर्धा हैं। उन्हें मूर्धन्य वर्ण कहते हैं।

ऋ ॠ ट् वर्ग र् और ष्

4. दन्त:- सूत्र (लृतुलसानां दन्ताः)

जिन वर्णों का उच्चारण दाँत से होता हैं। उन्हें दन्त्य वर्ण कहते हैं।

ऌ त् वर्ग ल् और स

5. ओष्ठ:- सूत्र (उपूपध्मानीयानामोष्ठौ) जो वर्ण ओष्ठ से बोले जाते हैं। ओष्ठय वर्ण कहलाते हैं।

उ ऊ प् वर्ग

6. नासिक:- सूत्र (ञ्मङ्ण्नानां नासिक च्)

जिन वर्णों का उच्चारण स्थान नाक है वह नासिक्य वर्ण कहलाते हैं।

ङ ञ् ण् न् म् और अनुस्वार

7. जिह्वा-मूल:- सूत्र (जिह्वा-मूलम्)

जिह्वा-मूलम् वर्णों उच्चारण स्थान जिह्वा-मूल है।

क ख

8. कण्ठतालव्य वर्ण:- सूत्र (एदैतो: कंठतालु)

जिन वर्णों का उच्चारण कण्ठ और तालु दोनों से होता है। वे कण्ठ तालव्य वर्ण होते हैं।

ए और ऐ

9. कण्ठोष्ठय वर्ण:- सूत्र (ओदौतो: कण्ठोंष्ठम)

जिन वर्णों का उच्चारण कण्ठ और ओष्ठ दोनों से होता है। वे कण्ठोंष्ठय कहलाते हैं।

ओ और औ

10. दन्तोष्ठय वर्ण:- सूत्र (वकारस्य दन्तोष्ठयम्)

जिस वर्ण का उच्चारण दाँत और ओष्ठ से होता है। वह दन्तोष्ठय वर्ण कहलाते है।

व्